पाठ 4: कैमरे में बंद अपाहिज (रघुवीर सहाय) - महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

भाग 1: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. **'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के रचयिता कौन हैं?**
    - **(क) आलोक धन्वा**
    - **(ख) कुँवर नारायण**
    - **(ग) रघुवीर सहाय**
    - **(घ) गजानन माधव 'मुक्तिबोध'**
    - **उत्तर: (ग) रघुवीर सहाय**
2. **यह कविता रघुवीर सहाय के किस काव्य संग्रह से ली गई है?**
    - **(क) सीढ़ियों पर धूप में**
    - **(ख) आत्महत्या के विरुद्ध**
    - **(ग) लोग भूल गए हैं**
    - **(घ) हँसो-हँसो जल्दी हँसो**
    - **उत्तर: (ग) लोग भूल गए हैं**
3. **दूरदर्शन वाले स्वयं को क्या मानते हैं?**
    - **(क) शक्तिहीन**
    - **(ख) समर्थ और शक्तिवान**
    - **(ग) अपाहिज**
    - **(घ) दर्शक**
    - **उत्तर: (ख) समर्थ और शक्तिवान**
4. **अपाहिज को कहाँ लाया जाता है?**
    - **(क) मंच पर**
    - **(ख) एक बंद कमरे (स्टूडियो) में**

- (ग) अस्पताल में
- (घ) सड़कों पर
- उत्तर: (ख) एक बंद कमरे में

5. कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए दूरदर्शन वाले क्या करते हैं?
   - (क) अपाहिज की मदद करते हैं
   - (ख) अपाहिज को रुलाने की कोशिश करते हैं
   - (ग) संगीत बजाते हैं
   - (घ) दर्शकों को हँसाते हैं
   - उत्तर: (ख) अपाहिज को रुलाने की कोशिश करते हैं
6. पर्दे पर किसकी कीमत बताई गई है?
   - (क) अपाहिज की
   - (ख) वक्त की
   - (ग) कैमरे की
   - (घ) दुख की
   - उत्तर: (ख) वक्त की
7. "आपका अपाहिजपन तो दुख देता होगा" - यह प्रश्न कैसा है?
   - (क) संवेदनशील
   - (ख) बेतुका और संवेदनहीन
   - (ग) प्रेरणादायक
   - (घ) दार्शनिक
   - उत्तर: (ख) बेतुका और संवेदनहीन
8. कैमरामैन को क्या आदेश दिया जाता है?
   - (क) कैमरा बंद करो

- (ख) इसे (अपाहिज की फूली आँख को) बड़ा-बड़ा दिखाओ
- (ग) स्टूडियो की लाइट कम करो
- (घ) दर्शकों को दिखाओ
- उत्तर: (ख) इसे बड़ा-बड़ा दिखाओ

9. कार्यक्रम के अंत में उद्घोषक क्या कहता है?
   - (क) हम हार गए
   - (ख) आप देख रहे थे सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम
   - (ग) अपाहिज की मदद करें
   - (घ) धन्यवाद, कल फिर मिलेंगे
   - उत्तर: (ख) आप देख रहे थे सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम
10. अपाहिज व्यक्ति प्रश्नों के उत्तर क्यों नहीं दे पाता?
   - (क) वह गूँगा है
   - (ख) वह अपने अपमान और बेतुके सवालों से आहत है
   - (ग) उसे सुनाई नहीं देता
   - (घ) वह डरा हुआ है
   - उत्तर: (ख) वह अपने अपमान और बेतुके सवालों से आहत है

भाग 2: एक पंक्ति वाले प्रश्न (One Line Q&A)

1. कवि ने दूरदर्शन संचालकों की किस मानसिकता पर प्रहार किया है?
   - उत्तर: कवि ने उनकी संवेदनहीन और व्यावसायिक मानसिकता पर प्रहार किया है।
2. 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता किस विधा में लिखी गई है?
   - उत्तर: यह कविता आधुनिक हिंदी कविता की 'मुक्त छंद' विधा में है जिसमें गहरा व्यंग्य है।
3. दूरदर्शन संचालक अपाहिज से पहला प्रश्न क्या पूछता है?

- **उत्तर: वह पूछता है– "तो आप क्या अपाहिज हैं?"**

4. **'इशारे से बताना' क्रिया का क्या उद्देश्य है?**
   - **उत्तर: इसका उद्देश्य अपाहिज को वह उत्तर देने के लिए मजबूर करना है जो संचालक चाहता है।**
5. **कार्यक्रम के सफल होने की क्या निशानी मानी गई है?**
   - **उत्तर: जब अपाहिज और दर्शक दोनों एक साथ रोने लगें, तो कार्यक्रम सफल माना जाता है।**
6. **अपाहिज के होंठों पर क्या दिखाई देता है?**
   - **उत्तर: अपाहिज के होंठों पर एक कसमसाहट (बेचैनी और पीड़ा) दिखाई देती है।**
7. **'बस थोड़ी ही कसर रह गई' का क्या तात्पर्य है?**
   - **उत्तर: इसका तात्पर्य है कि अपाहिज और दर्शक एक साथ नहीं रो पाए, जिससे पूर्ण संवेदी प्रभाव पैदा नहीं हुआ।**
8. **कवि के अनुसार 'सोशल उद्देश्य' का मुखौटा क्यों पहनाया गया है?**
   - **उत्तर: ताकि लोग इसे एक नेक कार्य समझें, जबकि वास्तव में यह केवल TRP और व्यापार के लिए है।**
9. **अपाहिज की आँखों को बड़ा करके दिखाने के पीछे क्या तर्क है?**
   - **उत्तर: ताकि उसकी पीड़ा को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जा सके और दर्शकों की करुणा बटोरी जा सके।**
10. **अंत में 'मुस्कुराने' का क्या अर्थ है?**
    - **उत्तर: यह संचालक की जीत और उसकी कृत्रिम शिष्टता को दर्शाता है कि उसने अपना काम पूरा कर लिया।**

भाग 3: तीन पंक्ति वाले प्रश्न (Three Line Q&A)

1. **"हम समर्थ शक्तिवान / हम एक दुर्बल को लाएँगे" - इस पंक्ति में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।**

- उत्तर: यहाँ 'समर्थ शक्तिवान' कहकर मीडिया की ताकत और उनके अहंकार पर चोट की गई है। वे खुद को इतना शक्तिशाली मानते हैं कि किसी लाचार (दुर्बल) व्यक्ति की पीड़ा को अपने फायदे के लिए बाजार में बेच सकते हैं।

2. दूरदर्शन पर अपाहिज से पूछे जाने वाले सवाल उसकी पीड़ा को कैसे बढ़ाते हैं?

   - उत्तर: संचालक उससे पूछते हैं कि वह अपाहिज क्यों है और उसे कैसा लगता है। ये सवाल अत्यंत मूर्खतापूर्ण और संवेदनहीन हैं, जो उसकी शारीरिक कमी का मज़ाक उड़ाते हैं और उसे अपनी लाचारी पर रोने के लिए विवश करते हैं।

3. 'कैमरा दिखाओ इसे बड़ा-बड़ा' – ऐसा क्यों कहा गया है?

   - उत्तर: मीडिया हाउस पीड़ा का व्यवसायीकरण करना चाहते हैं। अपाहिज की आँखों की सूजन या उसके चेहरे की लाचारी को क्लोज-अप में दिखाने से दर्शकों के मन में सहानुभूति पैदा होती है, जिससे चैनल की लोकप्रियता बढ़ती है।

4. पर्दे पर वक्त की कीमत का हवाला देकर साक्षात्कारकर्ता क्या जताना चाहता है?

   - उत्तर: वह जताना चाहता है कि उसे अपाहिज के दुख से कोई लेना-देना नहीं है। उसके लिए समय पैसा है। यदि अपाहिज समय पर नहीं रोया, तो विज्ञापन और अन्य कार्यक्रमों का नुकसान होगा, जो संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

5. कार्यक्रम के अंत में 'धन्यवाद' कहना किस विडंबना की ओर संकेत करता है?

   - उत्तर: पूरी कविता में अपाहिज का शोषण करने के बाद अंत में मुस्कुराकर धन्यवाद कहना यह दिखाता है कि सारा तमाशा केवल एक सुनियोजित ड्रामा था। यह मीडिया की दिखावटी शालीनता और आंतरिक क्रूरता को उजागर करता है।

6. संचालक दर्शकों से 'धीरज' रखने को क्यों कहता है?

   - उत्तर: वह चाहता है कि दर्शक तब तक जुड़े रहें जब तक कि अपाहिज रोने न लगे। वह दर्शकों को भी उस पीड़ा का हिस्सा बनाना चाहता है ताकि वे भी भावुक होकर चैनल से चिपके रहें।

7. कोष्ठकों में दी गई पंक्तियाँ कविता के प्रभाव को कैसे बढ़ाती हैं?

- **उत्तर: कोष्ठक की पंक्तियाँ (जैसे– 'यह प्रश्न पूछा नहीं जाएगा') परदे के पीछे की असलियत बताती हैं। ये संचालकों की असली सोच और उनकी तकनीकी चालाकियों को उजागर करती हैं, जिससे कविता का व्यंग्य और तीखा हो जाता है।**

8. **"आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे" - इस पंक्ति का भाव क्या है?**
   - **उत्तर: संचालक दर्शकों को निर्देशित कर रहा है कि वे अपाहिज के चेहरे की बेचैनी को उसकी शारीरिक कमी का दुख समझें। वह चाहता है कि दर्शक वही महसूस करें जो वह उन्हें महसूस कराना चाहता है।**
9. **अपाहिज व्यक्ति चुप क्यों रहता है?**
   - **उत्तर: वह इसलिए चुप रहता है क्योंकि उसके सामने पूछे गए सवाल अपमानजनक हैं। वह अपनी पीड़ा को प्रदर्शनी की वस्तु नहीं बनाना चाहता और मीडिया की क्रूरता के सामने खुद को लाचार पाकर मौन हो जाता है।**
10. **क्या यह कविता केवल दूरदर्शन के बारे में है?**
    - **उत्तर: नहीं, यह कविता हर उस व्यक्ति या संस्था की ओर इशारा करती है जो दूसरों के दुख-दर्द को अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करना चाहते हैं। यह आधुनिक समाज की बढ़ती संवेदनहीनता का सामान्यीकरण है।**

भाग 4: पाँच से छह पंक्ति वाले प्रश्न (Long Q&A)

1. **"कैमरे में बंद अपाहिज" कविता करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।**
   - **उत्तर: यह कविता ऊपर से देखने में एक सामाजिक कल्याण का कार्यक्रम लगती है जहाँ एक अपाहिज की मदद की बात हो रही है। लेकिन वास्तव में, यह मीडिया की क्रूरता का पर्दाफाश करती है। संचालक का उद्देश्य अपाहिज की सहायता करना नहीं, बल्कि उसकी पीड़ा को बेचकर TRP कमाना है। वह उससे ऐसे सवाल पूछता है जो उसे मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। उसे रुलाने की कोशिश करना और दर्शकों को भी रुलाने का प्रयास करना एक व्यावसायिक दबाव है। अतः यह करुणा का केवल एक नाटक है, जिसके पीछे अत्यंत क्रूर और संवेदनहीन मानसिकता छिपी है।**
2. **कार्यक्रम को रोचक बनाने के वास्ते संचालक किन हथकंडों का प्रयोग करता है?**

- **उत्तर: संचालक सबसे पहले अपाहिज से बेतुके सवाल पूछता है ताकि वह असहज हो जाए। वह उसे खुद इशारों से बताता है कि उसे कैसा दुख महसूस करना चाहिए। वह कैमरे को निर्देश देता है कि उसकी पीड़ा को बड़ा करके दिखाया जाए। वह अपाहिज को रुलाने की हर संभव कोशिश करता है और दर्शकों को भी भावनात्मक रूप से उकसाता है। अंत में, जब वह सफल नहीं हो पाता, तो वह समय की कमी का बहाना बनाकर कार्यक्रम खत्म कर देता है। ये सभी हथकंडे पीड़ा के व्यवसायीकरण का हिस्सा हैं।**

3. **पर्दे पर 'वक्त की कीमत' है - इस पंक्ति के माध्यम से कवि ने व्यावसायिकता के दबाव को कैसे चित्रित किया है?**
    - **उत्तर: यह पंक्ति मीडिया की व्यावसायिक प्राथमिकता को दर्शाती है। उनके लिए किसी की मानवीय भावनाएं या दुख 'कीमती' नहीं हैं, बल्कि पर्दे पर बिकने वाला समय 'कीमती' है। यदि अपाहिज व्यक्ति समय रहते रोकर अपनी पीड़ा व्यक्त नहीं करता, तो संचालक को लगता है कि उसका निवेश खराब हो गया। यह दिखाता है कि बाजारवाद में करुणा और सहानुभूति का कोई स्थान नहीं है; वहाँ केवल मुनाफा और समय की गणना ही मुख्य है।**
4. **यदि शारीरिक चुनौती का सामना कर रहे व्यक्ति और दर्शक दोनों एक साथ रोने लगते, तो उससे प्रश्नकर्ता का कौन-सा उद्देश्य पूरा होता?**
    - **उत्तर: यदि दोनों एक साथ रो देते, तो प्रश्नकर्ता का कार्यक्रम 'सुपरहिट' हो जाता। उसका मुख्य उद्देश्य दर्शकों के भीतर एक तीव्र भावनात्मक लहर पैदा करना था ताकि वे चैनल के प्रति आकर्षित हों। इससे चैनल की TRP बढ़ती और विज्ञापनदाताओं का ध्यान खींचने में मदद मिलती। इस सफलता से प्रश्नकर्ता को अपनी 'कार्यकुशलता' का प्रमाण मिलता और वह साबित कर पाता कि वह 'सामाजिक उद्देश्य' के नाम पर एक अत्यंत प्रभावशाली कार्यक्रम बना सकता है।**
5. **रघुवीर सहाय की इस कविता में प्रयुक्त 'व्यंग्य' और 'नाटकीयता' पर प्रकाश डालिए।**
    - **उत्तर: कविता में व्यंग्य बहुत गहरा है। 'समर्थ शक्तिवान' और 'सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम' जैसे शब्दों का प्रयोग तीखा प्रहार है। नाटकीयता इस बात में है कि पूरी कविता एक संवाद या साक्षात्कार की तरह चलती है, जिसमें कोष्ठकों का प्रयोग मंच-निर्देशों की तरह किया गया है। यह कविता**

पाठक के सामने स्टूडियो का सजीव दृश्य उपस्थित कर देती है। कवि ने सपाटबयानी के माध्यम से गहरी विडंबना को पकड़ा है, जो इसे एक बेहतरीन व्यंग्यात्मक कविता बनाता है।

6. इस कविता से हमें मीडिया के प्रति किस तरह का नज़रिया अपनाने की प्रेरणा मिलती है?
    - उत्तर: यह कविता हमें मीडिया द्वारा दिखाए जाने वाले 'भावुक' और 'सामाजिक' कार्यक्रमों के प्रति सतर्क रहने की प्रेरणा देती है। हमें यह समझना चाहिए कि हर बार पर्दे पर दिखाई जाने वाली करुणा सच्ची नहीं होती; उसके पीछे व्यावसायिक स्वार्थ हो सकता है। यह हमें सिखाती है कि हम किसी की पीड़ा का मूक दर्शक बनकर तमाशा न देखें, बल्कि वास्तव में उसके प्रति संवेदनशील बनें। मीडिया को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए और पीड़ा को 'उत्पाद' (Product) बनाने से बचना चाहिए।
7. कविता में 'कोष्ठकों' (Brackets) का क्या औचित्य है? उदाहरण सहित समझाइए।
    - उत्तर: कोष्ठक कविता का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं क्योंकि वे 'सब-टेक्स्ट' (भीतरी विचार) को उजागर करते हैं। जैसे– *(कैमरा दिखाओ इसे बड़ा-बड़ा)* या *(यह अवसर खो देंगे?)*। ये कोष्ठक बताते हैं कि टीवी पर जो दिखता है और परदे के पीछे जो होता है, उसमें कितना अंतर है। ये संचालकों की क्रूर योजना और उनकी तकनीक को दर्शकों के सामने नग्न कर देते हैं। बिना इन कोष्ठकों के, कविता का व्यंग्य और सच्चाई इतनी स्पष्ट नहीं हो पाती।
8. "अपाहिज होकर कैसा लगता है?" – इस प्रश्न की संवेदनहीनता को स्पष्ट कीजिए।
    - उत्तर: यह प्रश्न किसी भी व्यक्ति की गरिमा के खिलाफ है। किसी शारीरिक कमी को झेल रहे व्यक्ति से यह पूछना कि उसे कैसा लगता है, उसे फिर से उस पीड़ा की याद दिलाना है जिसे वह रोज सहता है। यह सवाल सहानुभूति का नहीं, बल्कि मानसिक प्रताड़ना का है। यह दिखाता है कि संचालक के पास उस व्यक्ति की जगह खुद को रखकर देखने (Empathy) की क्षमता नहीं है। वह केवल एक 'जवाब' चाहता है जिसे वह दर्शकों को परोस सके।
9. कार्यक्रम संचालक की मुस्कुराहट और धन्यवाद का क्या अर्थ है?
    - उत्तर: मुस्कुराहट यह दिखाती है कि उसे अपाहिज की पीड़ा से कोई वास्तविक दुख नहीं हुआ; उसके लिए यह केवल एक ड्यूटी या काम था। 'धन्यवाद' कहना

दर्शकों के प्रति एक औपचारिक शिष्टाचार है, जैसे कोई दुकानदार ग्राहक को सामान बेचने के बाद कहता है। यह पूरी प्रक्रिया यह सिद्ध करती है कि मीडिया के लिए पीड़ा केवल एक 'माल' है जिसे अच्छी पैकेजिंग (मुस्कुराहट और धन्यवाद) के साथ बेचा जाना चाहिए।

10. पवन (विहारी बुधिया) जैसे बच्चों के उदाहरण से मीडिया के रवैये की तुलना कीजिए। (पाठ के अभ्यास से संदर्भित)

- उत्तर: जैसे कविता में अपाहिज को कैमरे के सामने लाकर उसकी सीमाएं पूछी जाती हैं, वैसे ही वास्तविक जीवन में मीडिया पवन जैसे साहसी बच्चों की उपलब्धियों को केवल 'करतूत' या 'अजूबा' बनाकर पेश करता है। वे उसकी हिम्मत की सराहना करने के बजाय उसकी शारीरिक स्थिति पर ध्यान केंद्रित करते हैं ताकि सनसनी पैदा हो। मीडिया अक्सर ऐसे लोगों की भावनाओं का सम्मान करने के बजाय उनकी 'शारीरिक चुनौती' को एक सर्कस की तरह इस्तेमाल करता है, जो इस कविता का मुख्य कथ्य है।